


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 376] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 23, 1977/अग्रहायणा 2, 1899

No. 376] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 23, 1977/AGRAHAYANA 2, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 23rd November 1977

G.S.R. 713 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No 136/65-Central Excises, dated the 20th August, 1965, namely—

In the said notification, the following proviso shall be inserted, namely—

“Provided that where a manufacturer manufactures such lead unwrought from lead ore concentrate in admixture with such scrap, only that quantity of the lead unwrought so manufactured, shall be exempt from duty as is in excess of the quantity determined in accordance with the following formula—

$$\left(DW \times \frac{P}{100} - \frac{9\frac{1}{2}}{10} \right)$$

where,—

DW is the weight of dry lead ore concentrate, and P is the number of parts (by weight) of lead in 100 parts of the dry lead ore concentrate.”

[No 327/77/F No 142/1 77-CX 4]

L C MITTAL, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1977

सा० का० नि० 713(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 136/68-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 20 अगस्त, 1965 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“परन्तु जहाँ विनिर्माता ऐसा ताड़्य सीसा, सीसा अथवा सान्द्र से ऐसी कतरन के साथ सम्मिश्रण करके विनिर्माण करता है वहाँ इस प्रकार विनिर्मित केवल ताड़्य सीसे की उतनी मात्रा ही शुल्क से छूट प्राप्त होगी जो मात्रा निम्नलिखित फार्मूले के अनुसार अवधारित से अधिक हो .—

$$\left(\text{शु० सी०} \times \frac{\text{भा}}{100} \times \frac{9}{10} \right)$$

इस फार्मूले में शु० सी० शुल्क सीसा अथवा सान्द्र का भार है; और भा० शुल्क सीसा अथवा सान्द्र के 100 भागों में से (भार के अनुसार) सीसे के भागों की संख्या है ।”

[स० 327/77/का० सं० 142/1/77—सी एक्स० 4]

एल० सी० मित्तल, उप-सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977